षष्ठम प्रश्न पत्रः आधुनिक कथा साहित्य एवं नाटक

प्रस्तावना

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव-मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य साहित्यांग में नही। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़-शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास-प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित :

क. उपन्यास

(1) प्रेमचंद्र - गोदान।

(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी - अनाम दास का पोथा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

ख. कहानी

केवल निम्नलिखित कहानियाँ : कफन पत्नी, गैंग्रीन, गदल, लालपान की बेगम, गुलकी बन्नो, पहाड़, दिल्ली में एक मौत, वापसी,

कहानी संग्रह : कथांतर, सम्पादक, परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

ग. नाट्य साहित्य

I भारतेन्दु हरिश्चन्द्र - अँधेर नगरी

II मोहन राकेश - आधे अधूरे

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका पुत्र, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2. हिन्दी उपन्यास, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशरण अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. कहानीः नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।